No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-03

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए.हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

एम.एच.डी.-03 : उपन्यास एवं कहानी

0 5 6 4 2

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

1. 'गोदान' में प्रेमचन्द किसानों और मज़दूरों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति के लिए आजादी की दूसरी लड़ाई लड़ रहे थे। इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। 20

अथवा

'सूरला बरगद' की संरचना में उपन्यासकार का उद्देश्य क्या था ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. 'मैला आँचल' में अभिव्यक्त तत्कालीन भारत के सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' में कल्पना और इतिहास का अद्‌भुत सामंजस्य देखने को मिलता है। इस सन्दर्भ में आप अपना पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

3. 'पुरस्कार' कहानी के आधार मधूलिका की चरित्रगत विशेषताओं का आकलन कीजिए। 20

अथवा

'त्रिशंकु' में लेखिका ने नारी-जीवन की विडम्बनाओं और उसकी आशा-आकांक्षा को उद्घाटित करने में कहाँ तक सफलता अर्जित की है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

4. 'एक दिन का मेहमान' कहानी का प्रमुख उद्देश्य क्या है और उसे चरितार्थ करने में लेखक कहाँ तक सफल सिद्ध हुआ है? 20

अथवा

'कर्मनाशा की हार' के कथ्य और शिल्प का मूल्यांकन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10x2=20

(क) 'गोदान' की मालती

(ख) 'कुत्ते की पूँछ' की भाषा

(ग) 'यह अंत नहीं' में दलित चेतना

(घ) 'कर्मनाशा की हार' के भैरों पांडे